MA sem -2

Cc-06

प्रश्न: बुद्धिवाद (Rationalism) क्या है? विस्तार से समझाइए।

उत्तर:

बुद्धिवाद (Rationalism) पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा (Epistemology) की एक महत्वपूर्ण विचारधारा है, जिसके अनुसार ज्ञान का प्रमुख और विश्वसनीय स्रोत बुद्धि (Reason) है। बुद्धिवादियों का मत है कि सच्चा, निश्चित और सार्वभौमिक ज्ञान इंद्रिय अनुभव (Sense Experience) से नहीं, बल्कि तर्क और बुद्धि के माध्यम से प्राप्त होता है। इस सिद्धांत के अनुसार मनुष्य के पास कुछ ऐसे मूलभूत विचार होते हैं जो जन्म से ही उसके मन में विद्यमान रहते हैं। इन्हें जन्मजात विचार (Innate Ideas) कहा जाता है।

ज्ञानमीमांसा का मूल प्रश्न है— "ज्ञान क्या है और यह कैसे प्राप्त होता है?" इसी प्रश्न के उत्तर में पाश्चात्य दर्शन में दो प्रमुख मत विकसित हुए— बुद्धिवाद (Rationalism) और अनुभववाद (Empiricism)। जहाँ अनुभववाद यह मानता है कि समस्त ज्ञान इंद्रियों के अनुभव से प्राप्त होता है, वहीं बुद्धिवाद इस विचार का खंडन करता है और तर्क को ज्ञान का सर्वोच्च साधन मानता है।

बुद्धिवाद का प्रारंभ प्राचीन यूनानी दर्शन से माना जाता है, परंतु इसका सुव्यवस्थित रूप आधुनिक युग में विकसित हुआ। आधुनिक बुद्धिवाद के प्रमुख प्रवर्तकों में René Descartes, Baruch Spinoza और Gottfried Wilhelm Leibniz का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इन दार्शनिकों ने तर्क और बुद्धि को ज्ञान का मूल आधार माना।

रेने डेसकार्ट को आधुनिक बुद्धिवाद का जनक कहा जाता है। उन्होंने संदेह की पद्धति (Method of Doubt) अपनाई और हर उस ज्ञान पर संदेह किया जिसे इंद्रियों से प्राप्त किया गया था, क्योंकि इंद्रियाँ कभी-कभी भ्रम उत्पन्न करती हैं। अंततः उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि "मैं सोचता हूँ, इसलिए मैं हूँ" (Cogito, ergo sum)। यह कथन इस बात का प्रमाण है कि सोचने की क्रिया स्वयं अस्तित्व का प्रमाण है, और यह ज्ञान केवल बुद्धि से प्राप्त होता है, न कि अनुभव से। डेसकार्ट के अनुसार ईश्वर, आत्मा और गणितीय सत्य जैसे विचार जन्मजात हैं।

स्पिनोज़ा ने भी तर्क को ही सर्वोच्च माना। उन्होंने गणितीय पद्धति के आधार पर दर्शन को प्रस्तुत किया और यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि संसार की संपूर्ण व्यवस्था तर्कसंगत नियमों के अनुसार चलती है। उनके अनुसार सत्य को समझने के लिए बुद्धि का उपयोग आवश्यक है।

लाइबनिट्ज़ ने जन्मजात विचारों की अवधारणा को और स्पष्ट किया। उनका मानना था कि मनुष्य का मन एक कोरी पट्टी (Blank Slate) नहीं है, बल्कि उसमें कुछ मूलभूत सिद्धांत पहले से ही विद्यमान होते हैं। उन्होंने आवश्यक सत्य (Necessary Truths) और संभावित सत्य (Contingent Truths) में भेद किया। आवश्यक सत्य वे हैं जो हर स्थिति में सत्य होते हैं, जैसे गणितीय नियम। ये अनुभव पर निर्भर नहीं करते, बल्कि बुद्धि द्वारा सिद्ध होते हैं।

बुद्धिवाद की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. बुद्धि की प्रधानता – ज्ञान का प्रमुख स्रोत बुद्धि है।
2. जन्मजात विचार** – कुछ विचार जन्म से ही मन में उपस्थित रहते हैं।
3. अनिवार्य और सार्वभौमिक सत्य– गणित और तर्क के सिद्धांत सभी के लिए समान और आवश्यक हैं।
4. निगमनात्मक पद्धति (Deductive Method) – सामान्य सिद्धांतों से विशेष निष्कर्ष निकालना।

बुद्धिवाद का मानना है कि इंद्रियाँ हमें अपूर्ण और कभी-कभी भ्रमित ज्ञान देती हैं। उदाहरण के लिए, दूर की वस्तु छोटी दिखाई देती है, जबकि वास्तव में वह छोटी नहीं होती। अतः इंद्रियों पर पूर्ण विश्वास नहीं किया जा सकता। इसके विपरीत गणितीय सत्य जैसे 2+2=4 हर परिस्थिति में सत्य रहता है। इसलिए तर्क और बुद्धि अधिक विश्वसनीय माने जाते हैं।

हालाँकि बुद्धिवाद की आलोचना भी हुई है। अनुभववादियों जैसे जॉन लॉक और डेविड ह्यूम ने यह तर्क दिया कि मनुष्य का मन जन्म के समय एक कोरी पट्टी के समान होता है और समस्त ज्ञान अनुभव से प्राप्त होता है। उन्होंने जन्मजात विचारों की अवधारणा को अस्वीकार किया। फिर भी बुद्धिवाद ने दर्शन, गणित और विज्ञान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

बुद्धिवाद का प्रभाव आधुनिक विज्ञान और तर्कशास्त्र पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। गणितीय पद्धति, तार्किक विश्लेषण और वैज्ञानिक सिद्धांतों का निर्माण तर्क पर आधारित है। आधुनिक दार्शनिक चिंतन में भी बुद्धिवाद की छाप स्पष्ट दिखाई देती है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि बुद्धिवाद एक ऐसी दार्शनिक विचारधारा है जो ज्ञान के क्षेत्र में बुद्धि और तर्क को सर्वोच्च स्थान देती है। यह मानती है कि कुछ सत्य सार्वभौमिक, अनिवार्य और जन्मजात होते हैं, जिन्हें केवल बुद्धि के माध्यम से जाना जा सकता है। यद्यपि अनुभव का भी अपना महत्व है, परंतु बुद्धिवाद

के अनुसार अंतिम और निश्चित ज्ञान का आधार तर्क ही है। इस प्रकार बुद्धिवाद पाश्चात्य दर्शन में ज्ञान के स्वरूप और स्रोत को समझने की एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली धारा है।